प्रकाशनार्थ

पटना. 22 सितंबर: ग्रीन स्किल डेवलपमेंट प्रोग्राम (जी एस डी पी) के पर्यावरण प्रभाव आकलनकर्ता पर आज भारत सरकार के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के तत्वावधान में एशियन डेवलपमेंट रिसर्च इंस्टीट्यूट (आद्री) ने एक ट्रेनिंग प्रोग्राम शुरू किआ। इस कार्यक्रम का आयोजन आद्री के सेंटर फॉर स्टडीज ऑन एनवायरनमेंट एंड क्लाइमेट (सी एस ई सी) द्वारा संचालित एनवायरनमेंटल इन्फॉर्मेशन, अवेयरनेस, कैपेसिटी बिल्डिंग एंड लाइवलीहुड प्रोग्राम (ई आई ए सी पी) के अंतर्गत किया जा रहा है।

ढाई महीने और 480 घंटे का यह व्यापक प्रशिक्षण कार्यक्रम पर्यावरण प्रभाव आकलन (ई आई ए) पर्यावरणीय कानूनों एवं विनियमों, पर्यावरणीय निगरानी, नमूना संग्रह एवं प्रयोगशाला कार्यप्रणालियों, जी.आई.एस मैपिंग, क्षेत्रीय सर्वेक्षण, प्रभाव पूर्वानुमान, तथा पर्यावरणीय ऑडिटिंग में पेशेवर कौशल विकसित करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया है।

प्रो. प्रशांत झा उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि थे और वे ई.आई.ए विषय के लिए संकाय सदस्य भी हैं। उन्होंने प्रतिभागियों को ई.आई.ए की मूल अवधारणाओं तथा भारत के पर्यावरणीय नियामक ढांचे से परिचित कराया। इस दौरान जल (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1974; वायु (प्रदूषण निवारण एवं नियंत्रण) अधिनियम, 1981 तथा केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों की भूमिकाओं एवं कार्यों पर चर्चा की गई।

सत्र में पर्यावरणीय कानून से संबंधित प्रमुख अवधारणाओं को भी शामिल किया गया, जिनमें प्रवर्तन प्राधिकरण, नियामक प्रावधान, उल्लंघन एवं दंड तथा अधिनियम और नियम के बीच अंतर शामिल थे। प्रतिभागियों को पर्यावरण संरक्षण से संबंधित महत्वपूर्ण संवैधानिक प्रावधानों, जिनमें अनुच्छेद 48A और अनुच्छेद 51A(g) शामिल हैं, के साथ-साथ पर्यावरणीय शासन में नियामक संस्थाओं की भूमिका से भी परिचित कराया गया।

सक्रिय भागीदारी और सहयोगात्मक सीखने की प्रक्रिया को बढ़ावा देने के लिए प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को विभिन्न समूहों में बांटा गया। समूहों/छात्रों को कार्य भी सौंपे गए, जिससे उन्हें कक्षा में चर्चा किए गए विषयों को व्यवहार में लागू करने, विचार-

विमर्श करने तथा पर्यावरणीय आकलन और नियामक मुद्दों की व्यावहारिक समझ विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

यह पहल कुशल मानव संसाधन विकसित करने और अधिक हरित, स्वस्थ एवं सतत भविष्य के लिए ग्रीन स्किल्स को बढ़ावा देने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है।

(अभिषेक प्रसाद)